

## कीड़ा जड़ी

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में जैव ऊर्जा रक्षा अनुसंधान संस्थान(डबिर), हल्द्वानी के वैज्ञानिक डॉ. रंजीत सहि ने बताया कि कीड़ा जड़ी (कार्डीसेप्सस साईनेसिस) के डबिर लैब में उत्पादन संबंधी शोध में सफलता के बाद अब इसका व्यावसायिक उत्पादन उत्तराखंड, गुजरात एवं केरल स्थिति तीन लैब में किया जाएगा।

### प्रमुख बदि

- यह जड़ी एक विशेष प्रकार के कीड़े के मरने पर उसमें निकले फफूँद से प्राप्त होता है। इसमें प्रोटीन अमीनो एसडि, वटिामनि **B-1**, **B-2** एवं **B-12** जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।
- इसका प्रयोग नमिन रोगों के उपचार मे किया जाता है-
  - कडिनी उपचार
  - उच्च रततचाप नरियंत्रण
  - रक्त नरिमाण
  - अस्थमा, नपुंसकता, अस्थि जोड़ में दर्द आदिका उपचार
- कीड़ा जड़ी उत्तराखंड के चमोली और पथौरागढ़ के धारचूला व मुनस्यारी क्षेत्र में 3,500 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले स्थानों में प्राकृतिक रूप से उगती है।